पाठ 48

1. क्या यीशु ने कभी पाप किया?

-नहीं।

-यीशु ने परमेश्वर की हर आज्ञा का पालन किया, और पाप नहीं किया।

2. यीशु ने परमेश्वर की हर आज्ञा का पालन क्यों किया, पाप का नहीं?

-क्योंकि यीशु का जन्म पाप में नहीं हुआ था।

3. यीशु का जन्म पाप में क्यों नहीं हुआ?

-क्योंकि यीशु के पास मानव पिता का बीज नहीं था।

-क्योंकि यीशु के पास मानव मां का बीज नहीं था।

-क्योंकि यीशु परमेश्वर थे।

4. क्या कोई और बिना पाप के यीशु के समान है?

-नहीं।

-अन्य सभी लोग पाप में पैदा हुए हैं।

5. जब यूसुफ और मरियम ने उसे मंदिर में पाया तो यीशु क्या कर रहा था?

-यीशु परमेश्वर के वचन के शिक्षकों को सुन रहा था, और उनसे प्रश्न पूछ रहा था।

-यीशु भी शिक्षकों को परमेश्वर का वचन पढ़ा रहे थे।

6. जब यीशु केवल बारह वर्ष का था तो उसे परमेश्वर के वचन का ज्ञान कैसे हुआ?

-क्योंकि यीशु परमेश्वर थे।

7. जब मरियम ने यीशु से प्रश्न किया, तो यीशु ने क्या उत्तर दिया?

-यीशु ने उत्तर दिया, "क्या तुम नहीं जानते कि मुझे अपने पिता के घर में रहना है?"

8. यीशु का क्या मतलब था?

-यीशु का मतलब था कि वह वही कर रहा था जो पिता परमेश्वर चाहता था कि वह करे।

9. जब यीशु बड़ा हो रहा था तो क्या यीशु ने यूसुफ और मरियम की पूरी तरह आज्ञा का पालन किया?

-हां।

10. हालाँकि यीशु अन्य बच्चों की तरह दिखते थे, फिर भी यीशु अलग कैसे थे?

-यीशु परमेश्वर थे।

-यिशु पूरी तरह से परमेश्वर होने के साथ-साथ पूरी तरह से इंसान भी थे।

-परमेश्वर ने जकर्याह और इलीशिबा को यूहन्ना नाम का एक पुत्र दिया।

-जकर्याह और इलीशिबा के बेटे को यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला भी कहा जाता था।

-परमेश्वर ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को यहूदियों के दिलों को तैयार करने के लिए भेजा।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला किसके लिए यहूदियों के दिलों को तैयार कर रहा था?

-यीशु के लिए उद्धारकर्ता।

-यूहन्ना बपतिस्मा वाला यहूदियों के दिलों को कैसे तैयार कर रहा था?

-उन्हें परमेश्वर का वचन सिखाने के द्वारा।

-परमेश्वर ने यहूदियों को सिखाने के लिए यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को चुना।

-यहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला सिखा रहा था:

आइए पढ़ें मत्ती 3:1-2

1-उन दिनों यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आया, और यहूदिया के मरुभूमि में प्रचार कर रहा था

2 और कहा, "मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है।"

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यहूदियों को क्या सिखाया?

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यहूदियों को सिखाया कि उन्हें पश्चाताप करना चाहिए।

-पश्चाताप करने का क्या मतलब है?

-पहला, पश्चाताप करने का अर्थ है परमेश्वर के बारे में अपने विचारों को बदलना।

-परमेश्वर क्यों चाहते हैं कि हम परमेश्वर के बारे में अपने विचार बदलें?

-क्योंकि हम सोचते हैं कि हम अपने रास्ते पर परमेश्वर के पास जा सकते हैं।

-क्या हम अपने रास्ते पर परमेश्वर के पास जा सकते हैं?

-नहीं।

-परमेश्वर पवित्र है, और हम परमेश्वर के मार्ग पर ही परमेश्वर के पास जा सकते हैं।

-पश्चाताप का अर्थ है परमेश्वर के बारे में अपने विचारों को बदलना, क्योंकि परमेश्वर पवित्र है और केवल परमेश्वर के मार्ग पर ही पहुँचा जा सकता है।

-दूसरा, पश्चाताप करने का अर्थ अपने बारे में अपने विचारों को बदलना भी है।

-परमेश्वर क्यों चाहते हैं कि हम अपने बारे में अपने विचार बदलें?

-क्योंकि हम सोचते हैं कि हमने परमेश्वर के विरुद्ध पाप नहीं किया है।

-क्या हमने परमेश्वर के खिलाफ पाप किया है?

-हां।

-सभी लोगों ने परमेश्वर के खिलाफ पाप किया है।

-सभी लोग पाप में पैदा हुए हैं।

-पश्चाताप का अर्थ है अपने बारे में अपने विचारों को बदलना, क्योंकि हम सभी ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया है।

-तीसरा, पश्चाताप करने का अर्थ पाप के बारे में अपने विचारों को बदलना भी है।

-परमेश्वर क्यों चाहता है कि हम पाप के बारे में अपने विचार बदलें?

-क्योंकि हम सोचते हैं कि परमेश्वर हमारे पापों की सजा नहीं देंगे।

-क्या परमेश्वर सभी पापों की सजा देते हैं?

-हां।

-परमेश्वर हमारे सभी पापों को अनन्त मृत्यु के साथ दंडित करेंगे।

-पश्चाताप का अर्थ है पाप के बारे में अपने विचारों को बदलना, क्योंकि परमेश्वर सभी पापों को अनन्त मृत्यु के साथ सजा देता है।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यहूदियों को सिखाया कि उन्हें पश्चाताप करना चाहिए।

-यह वही है जो भविष्यवक्ता यशायाह ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के बारे में कहा था:

आइए पढ़ें मत्ती 3:3

3-यह वह है जिसके बारे में यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था: "जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द है, 'प्रभु के लिए मार्ग तैयार करो, उसके लिए सीधा मार्ग बनाओ।'"

-भविष्यवक्ता यशायाह ने कहा कि यूहन्ना द बैपटिस्ट वह था जो यहूदियों के दिलों को उद्धारकर्ता के लिए तैयार करेगा।

-यद्यपि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला परमेश्वर का नबी था, वह बहुत गरीब था।

आइए पढ़ें मत्ती 3:4

4-यूहन्ना के वस्त्र ऊँट के बालों के बने थे, और उसकी कमर में चमड़े की पेटी थी। उसका भोजन टिड्डियाँ और जंगली मधु था।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के कपड़े ऊंट के बालों से बने थे।

-उसने टिड्डियों और जंगली मधु को खाया।

-कुछ लोग सोचते हैं कि अगर वे परमेश्वर में विश्वास करेंगे तो परमेश्वर उन्हें बहुत पैसा देंगे।

-लेकिन परमेश्वर किसी से ज्यादा पैसे का वादा नहीं करते।

-क्योंकि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने परमेश्वर के बारे में शिक्षा दी, बहुत से यहूदी उसकी सुनने के लिए आए।

आइए पढ़ें मत्ती 3:5-6

5-यरूशलेम से और सारे यहूदिया और यरदन के सारे देश से लोग उसके पास निकल आए।

6-अपना पाप मान कर उन्होंने यरदन नदी में उससे बपतिस्मा लिया।

-कई यहूदी यूहन्ना द बैपटिस्ट के माध्यम से परमेश्वर के संदेश में विश्वास करते थे।

-इन यहूदियों ने पश्चाताप किया और परमेश्वर से उन्हें बचाने के लिए कहा।

-क्योंकि इन यहूदियों ने पश्चाताप किया और परमेश्वर से उन्हें बचाने के लिए कहा, यूहन्ना द बैपटिस्ट ने उन्हें बपतिस्मा दिया।

-बपतिस्मा क्या है?

-बपतिस्मा लोगों को पानी के नीचे उतार रहा है, और फिर उन्हें तुरंत ऊपर ला रहा है।

-बपतिस्मा का क्या अर्थ है?

-बपतिस्मा एक संकेत है कि आपने पश्चाताप किया है, और आपको बचाने के लिए केवल परमेश्वर में विश्वास है।

-क्या बपतिस्मा यहूदियों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाने में सक्षम था?

-नहीं।

-बपतिस्मा यहूदियों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से क्यों नहीं बचा सका?

-क्योंकि लोगों को पानी के नीचे उतारने से उन्हें बचाया नहीं जा सकता।

-क्या बपतिस्मा किसी को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचा सकता है?

-नहीं।

-बपतिस्मा हमें पाप से नहीं बचा सकता।

-बपतिस्मा हमारे पापों को धो नहीं सकता।

-बपतिस्मा हमारे पापों का भुगतान नहीं कर सकता।

-कौन अकेला यहूदियों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाने में सक्षम था?

-यीशु उद्धारकर्ता।

-बपतिस्मा केवल एक संकेत है कि आपने पश्चाताप किया है, और आपको बचाने के लिए केवल परमेश्वर में विश्वास है।

-कई फरीसी और सदूकी भी यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की बात सुनने आए।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने फरीसियों और सदूकियों से क्या कहा?

आइए पढ़ें मत्ती 3:7

7-परन्तु जब यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने बहुत से फरीसियों और सदूकियों को उस स्थान पर आते देखा जहां वह बपतिस्मा दे रहा था, तो उसने उनसे कहा: “हे सांपों के बच्चों! आने वाले क्रोध से बचने के लिए तुम्हें किसने चेतावनी दी थी?”

-यूहन्ना बैपटिस्ट ने फरीसियों और सदूकियों को सांपों की संतान कहा।

-यूहन्ना बैपटिस्ट ने फरीसियों और सदूकियों को सांपों की संतान क्यों कहा?

-क्योंकि फरीसी और सदूकी बहुत घमण्डी थे।

-क्योंकि फरीसियों और सदूकियों ने पश्चाताप करने से इनकार कर दिया।

-यूहन्ना बैपटिस्ट के शब्द फरीसियों और सदूकियों के लिए बहुत मजबूत थे।

-ऐसा इसलिए है क्योंकि फरीसियों और सदूकियों को बहुत गर्व था, और उन्होंने पश्चाताप करने से इनकार कर दिया।

-परमेश्वर उन लोगों को नहीं बचाएंगे जो गर्व करते हैं और पश्चाताप करने से इनकार करते हैं।

-परमेश्वर केवल उन लोगों को बचाएगा जो गर्व नहीं करते हैं, और पश्चाताप करते हैं।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने फरीसियों और सदूकियों से और क्या कहा?

आइए पढ़ें मत्ती 3:8

8-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने कहा, "मन फिराव के अनुसार फल उत्पन्न करो।"

-फरीसियों और सदूकियों ने सोचा कि परमेश्वर उनसे प्रसन्न हैं।

-फरीसियों और सदूकियों ने यह क्यों सोचा कि परमेश्वर उनसे प्रसन्न है?

-क्योंकि उन्होंने सोचा था कि उनके कामों से परमेश्वर उनसे प्रसन्न होंगे।

-क्या कोई भी कार्य जो हम करते हैं, वह परमेश्वर को हमसे प्रसन्न करने के लिए बाध्य करेगा?

-नहीं।

-ऐसा कौन सा काम है जो परमेश्वर को प्रसन्न करेगा?

-अपने पापों का प्रायश्चित करना।

-सभी लोगों के लिए, एकमात्र कार्य जो परमेश्वर को प्रसन्न करेगा, वह होगा अपने पापों का पश्चाताप करना।

-फिर फरीसियों और सदूकियों ने यह क्यों सोचा कि परमेश्वर उनसे प्रसन्न है?

-फरीसियों और सदूकियों ने भी सोचा कि परमेश्वर उन पर प्रसन्न है क्योंकि वे इब्राहीम के वंशज थे।

-फिर, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने क्या कहा?

आइए पढ़ें मत्ती 3:9

9-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने कहा, "और यह मत सोचो कि तुम अपने आप से कह सकते हो, 'हमारा पिता इब्राहीम है।'

-यूहन्ना द बैपटिस्ट ने कहा कि हालांकि फरीसी और सदूकी इब्राहीम के वंशज थे, यह परमेश्वर को उनसे प्रसन्न होने के लिए मजबूर नहीं करता है।

-क्या किसी का वंशज होना हमें परमेश्वर को प्रसन्न करता है?

-नहीं।

-यूहन्ना द बैपटिस्ट ने कहा कि अगर परमेश्वर चाहते तो परमेश्वर अब्राहम के वंशजों को पत्थरों से बना सकते थे।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने फरीसियों और सदूकियों से और क्या कहा?

आइए पढ़ें मत्ती 3:10

10-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने कहा, "कुल्हाड़ा तो पेड़ों की जड़ में है, और जो जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंक दिया जाएगा।"

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने उन सभी के बारे में क्या कहा जो घमंडी हैं और पश्चाताप करने से इनकार करते हैं?

-कि परमेश्वर उन्हें एक बुरे पेड़ की तरह काट देगा और उन्हें अनन्त आग की झील में फेंक देगा।

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-अगर हम उस पेड़ के फल को काट दें जिस पर खराब फल लगते हैं, तो क्या पेड़ पर अच्छे फल आएंगे?

-नहीं।

-पेड़ हमेशा खराब फल देगा।

-यदि हम उस पेड़ की डालियों को काट दें जिस पर खराब फल लगते हैं, तो क्या पेड़ पर अच्छी शाखाएं और अच्छे फल आएंगे?

-नहीं।

-पेड़ में हमेशा खराब शाखाएं और खराब फल लगते हैं।

-हम सब उस पेड़ की तरह हैं जिस पर खराब फल लगते हैं।

-ऐसा कुछ नहीं है जो हम खुद को अच्छा बनाने के लिए कर सकते हैं।

-अगर हम गर्व करते हैं और पश्चाताप करने से इनकार करते हैं, तो परमेश्वर हमें बुरे पेड़ों की तरह काट देंगे और हमें अनन्त आग की झील में फेंक देंगे।

-फिर, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु के बारे में बात की।

आइए पढ़ें मत्ती 3:11

11-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने कहा, "मैं तुम्हें पश्चाताप के लिए पानी से बपतिस्मा देता हूँ। परन्तु मेरे बाद एक ऐसा आएगा जो मुझ से अधिक शक्तिशाली होगा, जिसकी जूती मैं उठाने के योग्य नहीं। वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।"

-जबकि यूहन्ना द बैपटिस्ट ने लोगों को पानी से बपतिस्मा दिया, यूहन्ना ने कहा कि यीशु लोगों को पवित्र आत्मा के साथ बपतिस्मा देगा।

-यूहन्ना द बैपटिस्ट ने यह भी कहा कि यीशु परमेश्वर था जो इतना पवित्र था कि यूहन्ना यीशु के जूते भी ले जाने के योग्य नहीं था।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु के बारे में और क्या कहा?

आइए पढ़ें मत्ती 3:12

12-यूहन्ना द बैपटिस्ट ने कहा, "उसका नुकीला कांटा उसके हाथ में है, और वह अपने खलिहान को साफ करेगा, अपने गेहूं को खलिहान में इकट्ठा करेगा, और भूसी को आग से जला देगा।"

-यूहन्ना द बैपटिस्ट ने कहा कि वे सभी जो गर्व करते हैं और पश्चाताप करने से इनकार करते हैं, वे भूसे के समान हैं।

-भूसा किसके लिए अच्छा है?

-कुछ नहीं।

-जलाना ही अच्छा है।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने कहा कि यीशु अनन्त आग की झील में भूसी की तरह जलेंगे, जो गर्व करने वाले लोगों को पश्चाताप करने से मना करते हैं।

-एक दिन, यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के द्वारा बपतिस्मा लेने आए।

आइए पढ़ें मत्ती 3:13-15

13-तब यीशु गलील से यरदन नदी में यूहन्ना से बपतिस्मा लेने आया।

14-परन्तु यूहन्ना ने यह कहकर उसे रोकना चाहा, कि मुझे तुझ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और क्या तू मेरे पास आता है?

15-यीशु ने उत्तर दिया, "अब ऐसा ही हो; हमारे लिए यह उचित है कि हम सब धार्मिकता को पूरा करने के लिए ऐसा करें।" फिर यूहन्ना ने हामी भर दी।

-क्या यीशु ने बपतिस्मा लिया था क्योंकि उसने पश्चाताप किया था?

-नहीं।

-क्या यीशु को पश्चाताप करने की ज़रूरत थी?

-नहीं।

-यीशु को पश्चाताप करने की ज़रूरत क्यों नहीं पड़ी?

-क्योंकि यीशु ने कभी पाप नहीं किया।

-यीशु ने बपतिस्मा क्यों लिया?

-क्योंकि यीशु यह दिखाना चाहता था कि वह परमेश्वर का उद्धारकर्ता और धार्मिकता है।

-क्योंकि यीशु यह दिखाना चाहता था कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की शिक्षा परमेश्वर की ओर से थी।

-क्योंकि यीशु सभी लोगों को एक अच्छा उदाहरण दिखाना चाहता था।

-क्योंकि यिशु हर चीज में परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना चाहते थे।

-यीशु पूर्ण रूप से परमेश्वर थे।

-लेकिन यीशु हर चीज में पिता परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना चाहता था।

-यीशु के पृथ्वी पर रहते हुए यीशु का मार्गदर्शन कौन कर रहा था?

-परमेश्वर पवित्र आत्मा।

-क्या हुआ जब यीशु ने बपतिस्मा लिया?

आइए पढ़ें मत्ती 3:16-17

16-यीशु का बपतिस्मा होते ही वह जल में से ऊपर चला गया। उसी क्षण स्वर्ग खुल गया, और उसने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाई उतरते और उस पर प्रकाश करते देखा।

17-और स्वर्ग से यह शब्द निकला, कि यह मेरा पुत्र है, जिस से मैं प्रीति रखता हूं; उसके साथ मैं बहुत प्रसन्न हूँ।"

-परमेश्वर पिता ने स्वर्ग से बात की।

-परमेश्वर पिता ने यीशु को अपना पुत्र कहा।

-कैसे यीशु परमेश्वर पिता का पुत्र था?

-क्योंकि यीशु वह परमेश्वर था जिसने वह करने के लिए स्वर्ग छोड़ दिया जो पिता परमेश्वर चाहता था।

-जब यीशु ने बपतिस्मा लिया, तो परमेश्वर पिता ने यीशु के बारे में क्या कहा?

-पिता परमेश्वर ने कहा कि वह यीशु से पूरी तरह खुश हैं।

-बाद में, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को फिर से देखा।

-यहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को बुलाया:

आइए पढ़ें यूहन्ना 1:29

29-अगले दिन यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखा और कहा, “देख, परमेश्वर का मेम्ना, जो जगत का पाप उठा ले जाता है!”

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को "परमेश्वर का मेम्ना" कहा।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को "परमेश्वर का मेम्ना" क्यों कहा?

-जैसे परमेश्वर ने इसहाक के लिए मरने के लिए एक भेड़ दी, वैसे ही परमेश्वर ने यीशु को सभी लोगों के लिए मरने के लिए दिया।

-जैसे भेड़ मर गई और उसके खून ने मिस्र में इस्राएलियों को बचाया, वैसे ही परमेश्वर लोगों को बचाने के लिए यीशु और उसका खून देंगे।